मृत्यु प्रमाण पत्र का आवेदन गुमा दिया

दिव्यांग पेंशन का आवेदन गुम होने पर बोले प्रभारी फिर दे दो

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

रतलाम. नगर निगम में किस तरह से काम हो रहा है, यह इसकी बानगी भर है। एक दिव्यांग ने पेंशन के लिए आवेदन दिया तो वो कार्रवाई के पहले ही गुम हो गया। इसी तरह एक व्यक्ति ने परिवार में मृत्यु होने पर मृत्यु प्रमाण पत्र के लिए आवेदन दिया तो वह भी फाइलों में कैद होकर गुम हो गया। पहले तो आवेदक चक्कर काटते रहे, बाद में जब उनको कहा गया कि आवेदन गुम हो गया है फिर से नया दे दिजीए, तो नाराज होकर आवेदक अब सीएम हेल्पलाइन की शरण में गए है।

केस एक

शहर के जावरा रोड के काजीखान की मस्जीद के करीब रहने वाले जाकिर हुसैन पिता सिफर अली ने परिवार में मृत्यु होने पर एक माह पूर्व आवेदन दिया। पहले बोला गया तीन दिन में प्रमाणपत्र मिल जाएगा। जब आवेदक तीन दिन बाद गया तो फिर से तीन दिन बाद आने को कहा गया। इस बीच सरकारी अवकाश आ गए व करीब एक माह तक प्रमाण पत्र नहीं मिला। अब आवेदक को कह दिया गया कि आवेदन गुम हो गया है, नया दे दिजीए।

केस नंबर दो

शहर के जावरा रोड के करीब रहने वाले राकेश कुमार ने अपने परिजन को दिव्यांग पेंशन दिलवाने के लिए एक माह पूर्व आवेदन दिया। पहले कहा गया कि सर्वे तीन दिन में होगा। इसके बाद अब तक न तो सर्वे हुआ व आवेदन पर कार्रवाई हुई। जब राकेश कुमार नगर निगम पता करने गए तो पता चला कि उनका दिया आवेदन हो गया है। निगम के कर्मचारियों ने कहा कि फिर से आवेदन दे दिजीए, इस बार गंभीरता से काम करके पेंशन शुरू करवा देंगे।

परेशान हो गए इस व्यवस्था से

नगर निगम में बदहाली है। इस कुव्यवस्था से परेशान हो गए है। पहले तो बार - बार चक्कर लगवाते है फिर कहते है आवेदन गुम हो गया है। जिम्मेदारों ने अपने अधिनस्थों पर नकेल कसना चाहिए। - **जाकिर हुसैन** पिता सिफर अली, जावरा रोड

कार्रवाई की जाएगी

आवेदन गुम हो गए यह मीडिया से पता चल रहा है। मामले की जानकारी ली जा रही है। जो भी जिम्मेदार है, उन पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

- **सोमनाथ झारिया,** आयुक्त नगर निगम

पत्रिका

पत्रिका 27/11/21

नामांतरण अटकाने वाली सहायक आयुक्त ज्योति को अंततः राज्य शासन ने हटा दिया

भास्कर संवाददाता | रतलाम

नामांतरण फाइलों पर समय पर हस्ताक्षर नहीं करके लोगों को परेशान करने वाली सहायक आयुक्त ज्योति सुनारिया को सरकार ने हटा दिया। उनका तबादला बुरहानपुर नगर निगम कर दिया है। आदेश शुक्रवार को नगरीय विकास एवं आवास विकास ने जारी कर दिए हैं। सहायक आयुक्त को 29 नवंबर को एकपक्षीय कार्यमुक्त कर दिया है। इतना ही नहीं आदेश के मुताबिक सुनैरिया को 1 दिसंबर को बुरहानपुर नगर निगम में कार्यभार ग्रहण करना होगा।

नगर निगम में संपत्तिकर विभाग का काम संभालने वाले ज्योति सुनारिया नामांतरण प्रकरणों की फाइलों को अटकाने में माहिर थी। टेबल लिपिकों द्वारा भेजी फाइलों पर सुनारिया कभी समय पर हस्ताक्षर नहीं करती थी। इस कारण नामांतरण प्रकरणों की पेंडेंसी 420 से ज्यादा हो गई थी। यही नहीं देरी से हस्ताक्षर करने के बावजूद प्रकरण पर फाइल प्राप्ति की तारीख हस्ताक्षर करने वाले दिन डाल देती थी। उनकी इस मनमानी कार्यशैली के चलते आवेदक के साथ विभागीय कर्मचारी खासे नाराज थे।

भास्कर इम्पैक्ट

नगर निगम में 'नीता के नखरो कदम पर ज्योति', नामांतरण-बंटवारे के 420 मामले पेंडिंग क्योंकि समय पर नहीं करतीं हस्ताक्षर, कई फाइलें हो चुकीं गुम

25 नवंबर को भास्कर में प्रकाशित खबर।

आयुक्त ने शिकायत पर भी नहीं की कार्रवाई

सहायक आयुक्त पर आला अधिकारियों का वरदहस्त था। कई बार मौखिक और लिखित शिकायत के बावजूद रिटायरमेंट मोड पर चल रहे आयुक्त सोमनाथ झारिया ने एक बार भी कार्रवाई नहीं की। एक आवेदक को नामांतरण के लिए विधायक चेतन्य काश्यप को लिखित शिकायत करना पड़ी, तब जाकर उनका नामांतरण हो पाया।

14 माह पहले भी हुआ तबादला लेकिन नहीं गई : नगरीय विकास एवं आवास विभाग ने 23 सितंबर 2020 को उनका तबादला सीएमओ नगर परिषद खिलचीपुर (राजगढ़) के लिए किया था। हाल ही में नामांतरण प्रकरणों को लेकर हुई शिकायतों के नगरीय विकास एवं आवास विभाग के उपसचिव तरुण राठी ने उन्हें रतलाम से हटाकर बुरहानपुर नगर निगम भेज दिया है। भास्कर

दै. भास्कर 27/11/21

निगम सहायक आयुक्त ज्योति सुनारिया का तबादला

रतलाम। शुक्रवार को नगरीय प्रशासन विकास विभाग द्वारा मुख्य नगर पालिका अधिकारियों के तबादले किए गए। इसमें नगर निगम रतलाम में सहायक आयुक्त के पद पर पदस्थ ज्योति सुनारिया को बुरहानपुर नगर निगम में सहायक आयुक्त पद पर पदस्थ किया गया है।

इसी तरह जिले के आलोट नगर परिषद की सीएमओ संध्या सरयाम का स्थानांतरण नगर परिषद देपालपुर जिला इंदौर कर दिया गया है। उनके स्थान पर देपालपुर के सीएमओ चंद्रशेखर सोनिस को आलोट सीएमओ के पद पर पदस्थ किया है। नीमच में शहरी विकास अभिकरण अधिकारी पीके तोषनीवाल को धामनोद नप सीएमओ बनाया गया है। नई

नईदुनिया 27/11/21

डेंगू के 412 मामले आए सामने, तीन माह बाद अब हो रहा हालात में सुधार

जिले में कोरोना महामारी के बाद फैल रहा डेंगू का दंश, मलेरिया पर पाया काबू

पत्रिका इंडेप्थ स्टोरी

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

रतलाम. जिले में कोविड के बाद स्वास्थ्य विभाग ने मलेरिया पर तो काबू पा लिया लेकिन डेंगू बेकाबू रहा। कोविड के बाद सबसे बूरा दौर रहा तो वह जुलाई से सितंबर तक तीन माह का जिसमें डेंगू के साथ अन्य बिमारियों से लोग त्रस्त रहे। अब जाकर हालातों पर फिर से काबू पाया जाने लगा है। डेंगू सहित मौसम जनित बीमारियों के फैलने का मुख्य कारण शहर की बदहाल सफाई व्यवस्था रही और नगर निगम द्वारा समय पर दवा का छिड़काव नहीं कराना जिसके चलते बीमारियों ने शहर को जकड़ लिया था।

बारिश की शुरुआत के साथ ही जिले में मौसमी बीमारियों के साथ ही डेंगू ने पैर पसारना शुरू कर दिया था। जून माह में ही डेंगू के 25 मरीज सामने आए थे। उसके बाद अगले तीन माह तक लगातार मरीजों की संख्या बढ़ी हुई रही। हालात इस कदर बिगड़ने लगे थे कि डेंगू और मौसमी बीमारियों ने ही कोविड की दूसरी लहर की यादें ताजा कर दी थी जब अस्पताल में मरीजों को भर्ती करने तक की जगह नहीं मिल पा रही थी। उसके जैसी ही स्थिति सरकारी अस्पताल के साथ ही निजी में बनने लगी थी लेकिन समय रहते अब हालात संभलने लगे है।

लापरवाही से बढ़ती गई बीमारी

डेंगू सहित मौसमी बीमारियों का सबसे अधिक कहर रतलाम शहर के साथ ही ग्रामीण में देखने को मिला। इसमें थोड़ी आमजन की लापरवाही रही और थोड़ी जिम्मेदारों की जिस कारण से बीमारियों ने जोर पकड़ा था, जिसका नतीजा यह रहा कि हालात दिन पर दिन बिगड़ते नजर आ रहे थे। हालांकि सरकारी रिकॉर्ड में डेंगू के चुनिंदा ही मामले सामने आए है जबकि निजी अस्पताल और निजी लैब में किट से टेस्ट करने पर डेंगू दर्शाया जा रहा था जिसे सरकारी रिकॉर्ड में दर्ज नहीं करने के आदेश होने का हवाला दिया गया था।

फिलहाल हालातों में सुधार

डेंगू का सबसे अधिक प्रभाव जुलाई से सितंबर तक रहा, उसके बाद स्थिति में सुधार हुआ है और अब बीते करीब एक माह से नया कोई मरीज सामने नहीं आया है। जिले में मलेरिया के मामले में गत वर्ष की तुलना में इस बार और कम सामने आए है, जो कि राहत की बात है।

- डॉ. प्रमोद प्रजापति, जिला मलेरिया अधिकारी, रतलाम

विकासखंडवार डेंगू के आंकड़े

सैलाना	10	आलोट	1
बाजना	08	ताल	0
जावरा	18	बिलपांक	110
पिपलोदा	4	रतलाम	261

कितने प्रभावित

पुरुष	महिला	बच्चे
240	172	077

माह अनुसार मरीजों की संख्या

1	जनवरी	25	जून
0	फरवरी	68	जुलाई
0	मार्च	163	अगस्त
1	अप्रैल	123	सितंबर
0	मई	29	अक्टूंबर

412 जनवरी से नवंबर में तक

016 आईजीएम टेस्ट	293 शहरी क्षेत्र में
396 एनएसआई	119 ग्रामीण क्षेत्र में

पत्रिका

पत्रिका 27/11/21

अव्यवस्था के कारण तत्काल आने-जाने वाली बसों के चालक परेशान, यात्री भी हो रहे परेशान

पार्किंग स्थल की तरह दिखने लगा शहर का प्रमुख बस स्टेण्ड

रतलाम ■ राज न्यूज नेटवर्क

इन दिनों शहर का प्रमुख बस स्टेण्ड जो कि मह रोड़ पर स्थित है। जहाँ जाम की स्थिति बनी हुई है। अनगिनत बसें लम्बे समय तक खड़ी रहती है और जो बसें अपने निर्धारित समय पर आती है तथा जाती है उनको खड़ी करने के लिए जगह ही नहीं रहती और तो और एसी स्थिति निर्मित हो जाती है कि बसों को मोड़ने पर दूसरी खड़ी बस से टकरा जाती है। साथ ही यात्रीगणों में भी को लेकर असंमजसता बनी रहती है कि उन्हें कौन सी बस में चढ़ना है। तत्काल आने जाने वाली बसों के ड्रायवर तो परेशान है ही साथ ही यात्रियों को इधर से उधर जाने की भी जगह नही मिल पाती जो बसें काफी देरी से जाने वाली हो वो भी वहां लगभग 10 से 15 की संख्या में खड़ी रहती है। वहाँ की व्यवस्था को देखने वाला एक भी प्रशासनिक नुमाइंदा कही नजर नही आता प्रशासन की एसी लापरवाही के कारण कोई बड़ी दुर्घटना घटित

हो सकती है साथ ही जो बसे बाहर से आती है उनके आते ही आटो रिक्षा वाले भी बसों के आगे पीछे रिक्शे खड़े कर देते है और यात्रियों को बैठने के लिये बाध्य कर देते है और बीच -बीच में दुपहिया वाहन आ जाने से तो समस्या और अधिक बढ़ जाती है। करीब तीन करोड़ की लागत से बना मुख्य बस स्टेण्ड जहां अव्यवस्थाओं का अंबार। बस स्टेण्ड की व्यवस्था सुचारू ढंग से नही चलाई जा रही है और चारों और एसा लगता हे जैसे कोई बस स्टेण्ड ना होकर पार्किंग स्थल हो। आखिर कौन तय करेगा कि बस कितनी देर कहाँ खड़ी रहेगी यह तो राम भरोसे ही है। बसों की अव्यवस्थाओं के कारण पैदल यात्रियों को बस से टकराने की स्थिति बन जाती है। इस कारण आये दिन विवादास्पद स्थितियां बन जाती है। 15 से 20 बसें खड़ी कर दी जाती है जिस कारण आवागमनवाली बसों को जगह नही मिल पाती है ।

शहर के मह रोड़ स्थित प्रमुख बस स्टेण्ड जहाँ से लम्बी दूरी की बसे चलती है। जिसकी देखरेख का जिम्मा नगर निगम एवं जिला प्रशासन दोनों का है। ज्ञातव्य है कि पूर्व में जिलाधीश ने पहले भी आदेश दिया था कि अनावश्यक बसें खड़ी ना की जाए। बसों के आवागमन अनुसार ही तय स्थानों पर बसें को खड़ी की जाए अन्यत्र न खड़ी करें किन्तु इस आदेश को भी ठंडें बस्तें में रख दिया गया आज तक स्थिति ज्यों की त्यों बनी हुई है आखिर क्यू? प्रशासन किसी बडी दुर्घटना का इंतजार कर रहा है।नगर निगम आयुक्त से राज एक्सप्रेस के रिपोर्टर से चर्चा के दौरान कहा गया कि ज्यादा गाड़िया रहेगी तो समस्याए तो होगी ही में जांच करवाता हूँ। जैसा भी होगा निर्णय लिया जायेगा।

राज एक्सप्रेस 27/11/21

वैक्सीनेशन महाअभियान आज : कलेक्टर ने तैयारियों की समीक्षा की

रतलाम। वैक्सीनेशन महाअभियान शनिवार को आयोजित होने जा रहा है। अभियान में 40 हजार वैक्सीनेशन का लक्ष्य है। कलेक्टर कुमार पुरुषोत्तम ने महाअभियान की तैयारियों की समीक्षा को लेकर एक बैठक शुक्रवार शाम आयोजित की। बैठक में कलेक्टर ने कहा कि पिछले महा अभियान में भी सभी में मेहनत करके बेहतर उपलब्धि अर्जित की थी, इस बार भी सभी अधिकारी, कर्मचारी मेहनत करके महा अभियान के लक्ष्य को अर्जित करें। अभियान में जावरा शहर में 10 हजार वैक्सीनेशन का लक्ष्य है। रतलाम ग्रामीण में 8 हजार और सैलाना में 9 हजार वैक्सीनेशन का लक्ष्य है। रतलाम शहर में मोबाइल दलों भ्रमण करके वैक्सीनेशन करेंगे। प्रत्येक मोबाइल दल को 200 वैक्सीनेशन का लक्ष्य दिया गया है।

नवभारत 27/11/21

वैक्सीनेशन : 40 हजार का लक्ष्य

रतलाम. जिले में शनिवार को एक बार फिर से वैक्सीनेशन का महा अभियान आयोजित होने जा रहा है। 40 हजार वैक्सीनेशन का लक्ष्य रखा गया है। शुक्रवार को कलेक्टर कुमार पुरुषोत्तम ने समीक्षा की। इसमें उन्होंने कहा कि पिछले महा अभियान में भी सभी ने मेहनत करके बेहतर उपलब्धि अर्जित की थी, इस बार भी सभी अधिकारी, कर्मचारी मेहनत करके महा अभियान के लक्ष्य को अर्जित करें। अभियान में जावरा शहर में 10 हजार वैक्सीनेशन का लक्ष्य है। रतलाम ग्रामीण में 8 हजार और सैलाना में 9 हजार वैक्सीनेशन का लक्ष्य है। रतलाम शहर में मोबाइल दलों भ्रमण करके वैक्सीनेशन करेंगे।

पत्रिका 27/11/21

महाअभियान : आज 40 हजार का वैक्सीनेशन

रतलाम | जिले में वैक्सीनेशन महाअभियान 27 नवंबर को आयोजित किया जाएगा। इसमें

40 हजार वैक्सीनेशन का लक्ष्य है। तैयारियों की समीक्षा को लेकर शुक्रवार को बैठक हुई। कलेक्टर ने कहा पिछले महाभियान में अच्छा प्रदर्शन रहा था, इस बार लक्ष्य हासिल करना है। अभियान में जावरा शहर में 10 हजार, रतलाम ग्रामीण में 8 हजार और सैलाना में 9 हजार वैक्सीनेशन का लक्ष्य है। प्रत्येक मोबाइल दल को 200 वैक्सीनेशन का लक्ष्य दिया है।

दै. भास्कर 27/11/21

आज 40 हजार टीके लगाने का लक्ष्य

रतलाम। कोरोना वैक्सीनेशन महाअभियान में शनिवार को 40 हजार वैक्सीनेशन का लक्ष्य है। कलेक्टर कुमार पुरुषोतम ने महाअभियान की तैयारियों की समीक्षा को लेकर शुक्रवार शाम बैठक आयोजित की।

बैठक में कलेक्टर ने कहा कि पिछले महाअभियान में भी सभी में मेहनत करके बेहतर उपलब्धि अर्जित की थी, इस बार भी सभी अधिकारी, कर्मचारी लक्ष्य को अर्जित करें। अभियान में जावरा शहर में 10 हजार, रतलाम ग्रामीण में 8 और सैलाना में 9 हजार वैक्सीनेशन का लक्ष्य है। रतलाम शहर में मोबाइल दल भ्रमण करके वैक्सीनेशन करेंगे। प्रत्येक मोबाइल दल को 200 वैक्सीनेशन का लक्ष्य दिया गया है।

पत्रिका 27/11/21